कौशलों में सुधार के लिए मरीज की देखभाल करने वालों को घरेलू प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

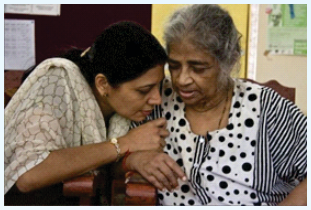

ऑगमेंटेटिव एंड अल्टरनेटिव कम्युनिकेशन यूनिट (एएसी): यह एक विशेष इकाई है जो भाषण चिकित्सा से सीमित लाभ होने की स्थिति में संचार क्षमताओ में सुधार करने के लिए प्रतिपूर करण नीति सिखाती है।

फिजियोथेरेपिस्ट और व्यावसायिक चिकित्सक परामर्श: डिसरथ्रिया वाले लोगों में अक्सर शरीर के अलग-अलग अंगों में कमजोरी (पैर, हाथ), चलने में कठिनाई और शरीर के अंगों के समन्वय में दिक्कत आती है । फिजियोथेरेपिस्ट और व्यावसायिक चिकित्सक मूल्यांकन करते हैं और उनके शरीर की गतिविधियों और समन्वय में सुधार करने के लिए चिकित्सक सेवाएं प्रदान करते हैं।

डिसरथ्रिया की रोकथाम के लिए टिप्स:

- रक्तचाप और मधुमेह को नियंत्रण में रखें।
- रासायनिक धुएं, विकिरणआदि के संपर्क में आने से बचें।
- नियमित व्यायाम करें और स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखें।
- नियमित स्वास्थ्य जांच करवाएं ।
- प्रतिदिन स्वस्थ और संतुलित आहार का सेवन करें।
- जितना हो सके मानसिक तनाव से बचें।
- लापरवाही से वाहन चलाने, फोन पर बात करने आदि से बचें।
- वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें और यातायात के सभी नियमों का पालन करें।

- मस्तक की चोट और आघात से खुद को बचाएं।
- प्रसव के बाद जन्मजात स्थितियों को रोकने के लिए (जैसे मस्तिष्क पक्षाघात) गर्भावस्था के दौरान आवश्यक सावधानी बरतें |
- तंबाकू, धूम्रपान और शराब का सेवन कम करें |

“ ”

CONTACT US

@AIISHMYSORE1 AIISH MYSURU AIISH Mysuru AIISH Mysuru

डिसरथ्रिया

संप्रेषण विकृति रोकथाम विभाग (पी ओ सी डी)

अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान

(भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन) ISO 9001:2005 प्रमाणित
नैमिषम आवरण, मानसगंगोत्री, मैसूरु- 570 006

फ़ोन नंबर: +91-0821 2502703/2502575 **टोल फ्री:** 18004255218
ई मेल: director@aiishmysore.in **वेबसाईट:** www.aiishmysore.in

@AIISHMYSORE1 AIISH MYSURU AIISH Mysuru AIISH Mysuru

क्या आप जानते हैं डिसरथ्रिया क्या है?

डिसरथ्रिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को स्पष्ट रूप से बोलने में कठिनाई होती है। यह बोलने में असमर्थता, मुँह और चेहरे की मांसपेशियों का खराब नियंत्रण और कमजोरी के कारण होता है| यह नसों या मस्तिष्क के कुछ हिस्सों में क्षति पहुँचने के कारण होता है। यह किसी व्यक्ति की जीभ और स्वर यन्त्र (वॉयसबॉक्स) को नियंत्रित करने की क्षमता को प्रभावित करता है, जिसके कारण अस्पष्ट और स्वखलित भाषा उतपन्न होती हैं |

यह बचपन से लेकर बुढ़ापे तक किसी भी उम्र में हो सकता है।

डिसरथ्रिया के कारण:

डिसरथ्रिया तब होता है जब मस्तिष्क के कुछ क्षेत्रों को नुकसान होता है जिसके परिणाम स्वरूप रक्त प्रवाह में रुकावट आती है।

डिसरथ्रिया के निम्नलिखित प्रमुख कारण हैं:

- **स्ट्रोक:** स्ट्रोक की स्थिति में रक्त प्रवाह में रुकावट आने की वजह से मस्तिष्क की कोशिकाओं में ऑक्सीजन और पोषण की आपूर्ति हो जाती है और 8 से 60% व्यक्तियों में डिसरथ्रिया का कारण यही है|

- **सड़क दुर्घटनाएं** मस्तिष्क के भाषा संबंधी क्षेत्रों को चोट पहुंचा सकती हैं जिससे डिसरथ्रिया हो सकता है।

- मस्तिष्क में मौजूद **ट्यूमर**, भाषण नियंत्रित करने वाले क्षेत्रों को प्रभावित करता है।यह डिसरथ्रिया के प्रमुख कारणों में से एक है।

- **मस्तिष्क ज्वर** जैसे संक्रमण (मेनिन्जाइटिस, एन्सेफलाइटिस), कोशिकाओं के उन प्रमुख केंद्रों को क्षति पहुँचाता है जो वाणी को नियंत्रित करते है।

- वो लोग जिन्हे **पार्किंसंस रोग, मल्टीपल स्क्लेरोसिस रोग, अल्जाइमर रोग** है वह डिसरथ्रिया की चपेट मे जल्दी आते है।

- **शराब के अत्यधिक सेवन** करने से मस्तिष्क की कोशिकाओं को पोषक तत्व अवशोषित करने में कमी होने लगती हैं । यह मस्तिष्क की कोशिकाओं को नष्ट कर, उसे प्रभावित करता है | इन स्थितियों में भी डिसरथ्रिया हो सकता है।

- **जहरीले पदार्थों** जैसे शीशा, पारा आदि के संपर्क में आने की वजह से मस्तिष्क की कोशिकाएं विषाक्त होने के साथ साथ मृत भी होने लगती है।

- कुछ दवाओं की लत (मादकदवाएं): जो लोग नशा करते हैं उन्हें डिसरथ्रिया होने का खतरा अधिक होता है।

डिसरथ्रिया वाले व्यक्तियों के लक्षण:

- डिसरथ्रिया वाले व्यक्ति में निम्नलिखित विशेषताएँ होंगी:
- चेहरे पर मौजूद मांसपेशियों में कमजोरी
- प्रतिबंधित जीभ, होंठ, और जबड़ा
- सांस लेने में कठिनाई
- आवाज की गुणवत्ता में बदलाव (कर्कश या तनावपूर्ण आवाज़)

- मोनोटोन "रोबोट" जैसी भाषा या आवाज़ के उतार - चढ़ाव में अत्यधिक परिवर्तन
- अस्पष्ट या स्वखलित भाषा
- वाक्ध्वनियों का अनिश्चित उच्चारण
- आवाज़ का तेजी से बिगड़ना, जो विश्राम के बाद अपने आप सुधर जाती है
- भाषण की धीमी गति
- नाक से आवाज आना
- चबाने और निगलने में कठिनाई

परामर्श के लिए विशेषज्ञ

यदि आपके अंदर उपरोक्त में से कोई भी लक्षण मौजूद है, तो निम्नलिखित विशेषज्ञ से परामर्श करें ,

- **न्यूरोलॉजिस्ट**
- **स्पीच-लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट**
- **फिजियोथेरेपिस्ट**

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूटऑफ स्पीच एंड हियरिंग (AIISH) पर निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं?

डिसरथ्रिया के उपचार के लिए पेशेवरों के पास अत्याधुनिक उपकरण, प्रौद्योगिकियां, विशेष इकाइयाँ और डिसरथ्रिया वाले व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए सुविधाएं उपलब्ध है।

न्यूरोलॉजिकल परामर्श: चिकित्सा सम्बन्धी स्थिति का पता कर, उचित उपचार प्रदान करते हैं।

मोटर स्पीच डिसऑर्डर यूनिट (एमएसडीयूनिट): यह एक विशेष इकाई है जो डिसरथ्रिया वाले लोगो के लिए मूल्यांकन और भाषण चिकित्सा सम्बंधित सेवाएं प्रदान करता है। डिसरथ्रिक रोगी का मोटर समन्वय और भाषण में सुधार के लिए ये समर्पित सेवाएं विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा प्रदान की जाती है |

वाक्-भाषा रोगविज्ञानी (एसएलपी) परामर्श: एसएलपी भाषण, मांसपेशियों की कमजोरी, सांस लेने के तरीके, निगलने की क्षमता, भाषण गुणवत्ता, संज्ञानात्मक क्षमता (तर्क, समस्या-समाधान, स्मृति), और अन्य सम्बंधित स्थितियों के सुधार पर काम करते है।

वाक् और भाषा चिकित्सा: वाक्-भाषा पैथोलॉजिस्ट डिसरथ्रिया वाले व्यक्तियों की संचार क्षमता और बोलने में सुधार के लिए स्पीच थेरेपी प्रदान करते है। स्थिति की गंभीरता के आधार पर चिकित्सा सत्रों की अवधि कुछ महीनों तक चल सकती है। उन लोगों के लिए जो घर से स्पीच थेरेपी लेना पसंद करते हैं, उनके लिए यह ऑनलाइन भी प्रदान की जाती है| इसके अलावा, इन